मासिक समाचार पत्रिका
वर्ष 1 अंक 10, रायपुर, माह नवंबर 2023

आज़ादी का अमृत महोत्सव

एसआरयू वर्ल्ड

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में महामहिम राज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ द्वितीय दीक्षान्त समरोह, 36 विद्यार्थियों को प्रदान किया गोल्ड मैडल एवं 2664 विद्यार्थियों सहित 28 शोधार्थीयों को विद्यावाचस्पति (डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी) उपाधि प्रदान की गई

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षान्त समरोह 11 अक्टूबर, बुधवार को प्रात: 11:30 बजे विश्वविद्यालय के सभागार-गोविंदा कल्याण मंडपम में कुलाध्यक्ष - महामहिम राज्यपाल (छत्तीसगढ़ शासन) के सानिध्य में संपन्न हुआ | दीक्षान्त समारोह का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अनन्त श्री विभूषित परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज की पवित्र सन्निधि में कुलाध्यक्ष की अनुमति से किया गया | दीक्षान्त समारोह का शुभारम्भ शोभा यात्रा के साथ की गई, तत्पश्चात राष्ट्रगान प्रारम्भ किया गया। दीक्षान्त समरोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्म भूषण डॉ. वी.के. सारस्वत, नीति आयोग के सदस्य, पूर्व चांसलर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, प्रोफेसर डी.पी. सिंह- पूर्व यूजीसी अध्यक्ष, प्रो सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, पद्मश्री - प्रो. जे.एस.राजपूत, एनसीटीई के पूर्व अध्यक्ष और एनसीईआरटी के निदेशक रहें | महामहिम राज्यपाल (छत्तीसगढ़ शासन),कुलाध्यक्ष श्री विश्वभूषण हरिचंदन द्वितीय दीक्षान्त समरोह अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने आज जब हम श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ के दूसरे दीक्षांत समारोह का अवलोकन कर रहे हैं तो आपके सामने खड़े होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। दीक्षांत समारोह एक समय-सम्मानित परंपरा है, शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव है, और हमारे स्नातकों के जीवन में एक अनिवार्य मील का पत्थर है। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो न केवल वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण की पराकाष्ठा का प्रतीक है बल्कि आपके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत का भी प्रतीक है। आज जब मैं यहां खड़ा हूं, तो मैं रुक नहीं सकता और हमारे जीवन में और हमारे समाज की प्रगति में शिक्षा के महत्व पर विचार कर सकता हूं।

शिक्षा एक समृद्ध एवं प्रबुद्ध समाज की आधारशिला है। यह व्यक्तियों को सशक्त बनाता है, क्षितिज का विस्तार करता है, और हमें ज्ञान, बुद्धिमत्ता और लचीलेपन के साथ दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने द्वितीय दीक्षान्त समरोह के

स्वागत उद्बोधन में सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की यात्रा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि श्री रावतपुरा सरकार युनिवर्सिटी, की स्थापना वर्ष 2018 में परमपूज्य महाराज श्री के द्वारा हुआ था | इस जनजाति बहुल छत्तीसगढ़ के युवाओं को कम लागत में गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगार परक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्तमान में इस विश्वविद्यालय में 37 विभागों के अंतर्गत 100 से ज्यादा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है, जिनके अंतर्गत इंजीनियरिंग, विज्ञान, कला, फार्मेसी, प्रबंधन एवं वाणिज्य, शिक्षा एवं लॉ में लगभग 6500 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं | 3500 से अधिक विद्यार्थी यहाँ से सफलतापूर्वक अध्ययन कर देश व राज्य के विभिन्न उपक्रमों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इन विद्यार्थियों के जीवन निर्माण में विश्वविद्यालय के विद्वानों एवं कर्मठ आचार्यों ने अपनी अतिमहत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने सभी उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को शपथ ग्रहण कराया एवं उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में पद्म भूषण डॉ. वी.के. सारस्वत, नीति आयोग के सदस्य, पूर्व चांसलर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, श्री आशुतोष राणा- प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता, निर्देशक, निर्माता और लेखक, एवं पद्मश्री - प्रो. जे.एस.राजपूत, एनसीटीई के पूर्व अध्यक्ष और एनसीईआरटी के निदेशक को अपने अपने क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए मानद उपाधि प्रदान की गई तथा शैक्षणिक सत्र 2021-22 और 2022-23 के स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में कुल 2664 सफल विद्यार्थियों सहित 28 शोधार्थीयों को विद्यावाचस्पति (डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी) एवं 36 सफल विद्यार्थियों को चांसलर गोल्ड मैडल प्रदान किया गया। कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं उपस्थित अतिथियों को प्रतीक चिन्ह दे कर सम्मानित किया गया। द्वितीय दीक्षांत समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ किया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में आयोजित युवा उत्सव में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री श्री अनुराग ठाकुर , गर्ल्स हॉस्टल का किया लोकार्पण, विश्वविद्यालय को मिली दो खेलो इंडिया सेंटर की सौगात

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और खेल, युवा मामलों के कैबिनेट मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, नेहरू युवा केन्द्र रायपुर छत्तीसगढ़ युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 अक्टूबर 2023 को युवा उत्सव के लिए श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में सुबह 10 बजे पहुंचे, जहां उन्होंने युवाओं से संवाद किया। कैबिनेट मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने विश्वविद्यालय के नर्मदा गर्ल्स हॉस्टल का लोकार्पण भी किया गया।

उन्होंने बताया की युवाओं के लिए खेलो इंडिया सेंटर ओपन कर हैं जिसमें से श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में भी 2 खेलो इंडिया सेंटर देने की घोषणा की। छत्तीसगढ़ी अंचल की संस्कृति को दर्शाते हुए युवाओं ने श्री अनुराग ठाकुर को मोर मुकुड़ पहनाया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय युवा उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे छत्तीसगढ़ के लगभग 500 युवा शामिल हुए जिसमें युवाओं से छत्तीसगढ़ के अलग-अलग क्षेत्र की संस्कृति को दर्शाया।

विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा की आज विश्वविद्यालय में ऐसे जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए है जिन्होंने युवाओं को एक नई दिशा दी है, हमारा विश्वविद्यालय अध्यात्म,शिक्षा एवं सेवा का त्रिवेणी संगम है। उल्लेखनीय है कि 25 फरवरी 2023 को श्री अनुराग ठाकुर ने विश्वविद्यालय के मोबाइल एप का शुभारंभ किया था।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति एस के.सिंह, कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा, सभी डीन, एच ओ डी, प्रोफेसर एवं विद्यार्थियों ने उपस्थित हो कर कार्यक्रम शोभा बढ़ा दी।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया अन्तर्महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 20 अक्टूबर 2023 को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के तत्वाधान में अन्तर्महाविद्यालय तीरंदाजी (महिला /पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के 14 विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें से 18 पुरुष एवं 10 महिला अपने हुनर का प्रदर्शन किया |श्री रावतपुरा सरकार शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एस.आर.आई.पी.इ) के द्वारा आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. विपिन चंद शर्मा ने तीरंदाजी के बढ़ते लोकप्रीयता को बताते हुए कहा कि तीरंदाजी में अधिक से अधिक खिलाड़ी भाग लेकर विश्वविद्यालय स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर से आगे बढ़े एवं अपने देश का नाम रोशन करे|

प्रतियोगिता के विशेष अतिथि श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन एवं अभिनन्दन करते हुए बताया कि देश के वैदिक काल के खेल तीरंदाजी का इतिहास में अनेक बार वर्णन हुआ है जिसमे भारतीय हमेसा से पारंगत है | इस परम्परा को देश के तीरंदाज़ निर्वाह कर अर्जुन साबित हो और अपने लक्ष्य को प्राप्त करे | तीरंदाजी प्रतियोगिता में इंडियन राउंड (30 मीटर, 50 मीटर,70 मीटर), कंपाउंड राउंड (50 मीटर,70 मीटर) एवं रिकर्व राउंड 70 मीटर कि प्रतिसपर्धा का आयोजन किया गया| तीरंदाजी प्रतियोगिता के इंडियन राउंड (पुरुष) में पिरित राम साहू (एस.आर.आई.पी.इ) एवं इंडियन राउंड

(महिला) में हर्षिता (शासकीय छ. ग . महा. रायपुर)ने प्रथम स्थान प्राप्त किया| अतः पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के युगल कुमार साहू और चन्दन कुमार साहू ने इंडियन राउंड (पुरुष) में क्रमशः द्वितीया और तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं इंडियन राउंड (महिला) में शा.दू.ध. महिला स्नातकोत्तर महा. रायपुर कि नेहा वर्मा और विप्र महा. रायपुर कि पीयल देवांगन ने क्रमशः द्वितीया और तृतीय स्थान प्राप्त किया|तीरंदाजी प्रतियोगिता के रिकर्व राउंड (पुरुष) में भरत कुमार यादव (अग्रसेन महा. पुराणी बस्ती रायपुर) एवं रिकर्व राउंड (महिला) में राधिका (शासकीय छ. ग . महा. रायपुर) ने प्रथम और रश्मी साहू (डॉ. राधा बाई शा. कन्या महाविद्या लय रायपुर)ने द्वितीया स्थान प्राप्त किया| अतः

शासकीय कला एवं वाणिज्य महा. के नरेश कुमार और अग्रसेन महा. पुराणी बस्ती रायपुर के मयूर निरवाण ने रिकर्व राउंड (पुरुष) में क्रमशः द्वितीया और तृतीय स्थान प्राप्त किया|तीरंदाजी प्रतियोगिता के कंपाउंड

राउंड (पुरुष) एनोस साहू (दिशा कॉलेज राम नगर रायपुर) एवं कंपाउंड राउंड (महिला) में केशरी साहू (नेता जी कॉलेज रायपुर) ने प्रथम स्थान और उपाशना साहू (डॉ. मूलचंद महाविद्यालय रायपुर) ने द्वितीया स्थान प्राप्त किया। अतःविप्र महाविद्यालय के मनोज प्रधान और एस.आर.आई.पी.इ के मयूर विपुल चंद्राकर ने रि कंपाउंड राउंड (पुरुष) में क्रमशः द्वितीया और तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन समारोह में सभी विजेताओ को मेडल्स प्रदान किये गए एवं श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.सौरभ के शर्मा ने सभी विजेता एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाये दी।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में आयोजित किया 'स्वामी आत्मानंद का सामाजिक अवदान' का चर्चा सत्र

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 7 अक्टूबर को स्वामी आत्मानंद की जयंती (06 अक्टूबर) के अवसर पर समाज विज्ञान संकाय द्वारा चर्चा सत्र का आयोजित किया गया। इस आयोजन में समाज विज्ञान सकय एवं कला संकाय के शिक्षकों, विद्यार्थी एवं शोधार्थियों ने हिस्सा ने हिस्सा लिया। 'स्वामी आत्मानंद का सामाजिक अवदान' विषय पर आयोजित चर्चा सत्र में स्वामी आत्मानंद का जीवन परिचय कराते हुये राजनीति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर योगमय प्रधान ने बताया कि उनका जीवन गांधी और विनोबा भावे जैसे सामाजिक चिंतकों के बीच बिता लेकिन आगे चलकर वह स्वामी विवेकानन्द के विचारों से वह प्रभावित हुये और उन्हीं के कदमों पर चलते हुये उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपना बहुतमूल्य योगदान किया। छत्तीसगढ़ में उन्होंने किन विषम परिस्थितियों के बावजूद आदिवासियों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर काम किया। वह जिस परिवेश से आते थे। उनके लिए बहुत से अवसर थे जहाँ वह अपना जीवन सामान्य व्यक्तियों कि तरह जी सकते थे। आगे उन्होंने बताया कि कैसे वह समाज कि परिस्थियों को देखते हुये अपनी आई ए एस कि परीक्षा छोड़ कर सामाजिक सेवा और रामकृष्ण परमहंस के विचार को आगे बढ़ाने का निश्चय लिया।

छत्तीसगढ़ सरकार ने आज उनके नाम पर तमाम विश्वविद्यालय और स्कूलों का निर्माण किया जहाँ सभी वर्गों के लिए शिक्षा को प्राप्त करने का अवसर मिल पा रहा है। स्वामी आत्मानन्द का जन्म 06 अक्टूबर 1929 को छत्तीसगढ़ के बरबन्दा ग्राम में हुआ और 27 अगस्त 1989 को उनकी मृत्यु हो गई। यह हमारे समाज की विडंबना है कि उन्हें अन्य सामाजिक चिंतकों के तौर पर नहीं देखा जाता। नहीं उनके काम का आंकलन ठीक से किया जाता है।

डॉ. आरती उपाध्याय ने बताया कि स्वामी आत्मानन्द का सामाजिक सेवा क्षेत्र बहुत ही विस्तृत रहा है। उन्होंने हर वर्ग के समाज के लिए अपनी सेवायें दी। स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में उनका योगदान अनुकरणीय रहा है। आज उन्हें उस तरह से याद नहीं जाता जिस तरह से विस्तृत उनका कार्य क्षेत्र रहा है।

संवाद चर्चा सत्र में डॉ. नरेश गौतम ने अपने वक्तव्य में बताया कि हर सामाजिक चिंतक के दो पहलू होते हैं। जहाँ एक ओर वह समाज के लिए सार्थक तौर पर कार्य कर रहा होता है। लेकिन कई बार उनके नकारात्मक पहलू भी उसके काम में छुपे होते हैं। स्वामी ने सामाजिक सेवा के माध्यम से हिंदुत्व को आगे ले जाने का भी कार्य किया किया। यह बिल्कुल उसी तरह से है जैसे स्वामी विवेकानन्द को उनके हिंदुत्ववादी नजरिये के लिए याद किया जाता है। या उन्हें उसी तरह से व्याख्यायित किया गया है। लेकिन उनके द्वारा समाज के लिए समीक्षात्मक पहलुओं को कभी नहीं देखा गया। उन्होंने धर्म नहीं रोटी कि भारत को जरूरत है। इस पहलू पर कोई बात नहीं करता। उसी तरह से स्वामी ने शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए काम तो किया लेकिन उसकी जड़ें हिंदुत्व के विचार के फैल रही थी।

चर्चा संवाद में समाज विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. अवधेश्वरी भगत ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया साथ ही छात्रों को संबोधित करते हुये बताया कि हमारे सामाजिक चिंतकों से हमें सकारात्मक ऊर्जा और उनके विचारों से सकारात्मक चिंतन करने कि आवश्यकता है। इतिहास हमें हमारी गलतियों को सुधारने का मौका देता है। जो हमने बार बार सीखना चाहिए। और उससे प्राप्त शिक्षा के माध्यम से समाज, परिवार, और व्यक्ति को आगे बढ़ाने में मदत करनी चाहिए।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक दौरा

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने 9 अक्टूबर को एसआरटी एग्रो साइंस, फुंडा में औद्योगिक दौरा किया। विज्ञान संकाय के कुल 180 विद्यार्थी इस दौरे में शामिल हुए, जिसमें विद्यार्थियों को कुल कृषि क्षेत्रफल 110 एकड़ का दौरा कराया गया। दौरे में खेती, सूक्ष्म जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, जैविक खेती एवं सूक्ष्म कैप्सूल उर्वरक निर्माण के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान निदेशक महोदय श्री शिरीष टौंक के साथ संवाद सत्र एवं कार्यक्रम की व्यवस्था जीतेन्द्र बेलचंदन ने की। कार्यक्रम समन्वयक विश्वविद्यालय प्रो. मिशा मार्टिन रही एवं संकाय सदस्य डॉ. ऋषि जयसवाल, दिव्या शर्मा, डॉ. पीयूष झा, डॉ. नमिता, डॉ. मार्गरेट, प्रतिभा, प्रतिमा, डॉ. रूपल शुद्धा, रमा उपस्थित हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति हर्ष गौतम, कुलपति एस के.सिंह, कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में समाज को टोबैगो फ्री करने व्याख्यान आयोजित

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में शुक्रवार को तंबाकु सेवन से मुक्ति के संबंध में जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। समाज कार्य एवं पत्रकारिता विभाग की ओर से आयोजित इस आयोजन में वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वीएचएआई) के स्टेट प्रोग्राम मैनेजर अवधेश मलिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ में तंबाकू सेवन करने वाले का प्रतिशत बहुत चिंताजनक है। प्रदेश में 39 फीसद लोग तंबाकू का सेवन कर रहे हैं जबकि राष्ट्रीय औसत 27 फीसद ही है। यहां तक कि प्रदेश में 7 वर्ष की उम्र से ही बच्चे तंबाकु का सेवन शुरू करने के आंकड़े आए हैं। राज्य हित में इस पर लगाम लगाना जरूरी है। यह जागरूकता से ही संभव है। इसके लिए युवाओ को आगे आना चाहिए।

श्री मलिक ने बताया कि आज बाजार में ई सिगरेट जैसे कई नए प्रकार के तंबाकू आ गए हैं जो कैंसर जैसे बीमारी के कारण बन रहे हैं। कोटपा जैसे एक्ट हैं पर वे 2003 के बाद से अपडेट नहीं हुए हैं। इसलिए नियमों और प्रतिबंधों का पालन समाज में नहीं हो पा रहा है। वीएचएआई की स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर सुष्मिता श्रीवास्तव ने कहा कि नशामुक्ति संबंधी जागरूकता में युवाओं की भागीदारी बहुत जरूरी है। क्योंकि आज युवाओं की नेटवर्किंग अच्छी होती है। वे दूसरे में अच्छे से समझा लेते हैं। समाज कार्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नरेश गौतम ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि नशामुक्ति के विषय पर काम करना बड़ी चुनौती है। इसमें थ्योरी के साथ प्रेक्टिकल पर काम करने होते हैं। छत्तीसगढ़ में महाराष्ट्र इत्यादि प्रदेश की तरह नशामुक्ति कैप्पेन चलाने होंगे। इसके लिए मानसिक और सामाजिक स्तर पर काम करने की जरूरत है और यह महत्ती जिम्मेदारी युवा ही उठा सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को तंबाकु सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष सह प्राध्यापक डॉ. संतोष कुमार ने किया। कार्यक्रम में कला संकाय के डीन डॉ. मनीष वर्मा, सहायक प्राध्यापक निरंजन कुमार, सहायक प्राध्यापक शिशिर चंद्र छत्तर, योगमय प्रधान सहित अन्य उपस्थित थे।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में फार्मेसी विभागों के छात्रों के लिए "नेविगेटिंग द फार्मेसी फ्रंटियर: इनसाइट एंड फ्यूचर होराइजन्स" पर व्याख्यान किया गया आयोजित

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर 2023 फार्मेसी विभागों के छात्रों के लिए "नेविगेटिंग द फार्मेसी फ्रंटियर: इनसाइट एंड फ्यूचर होराइजन्स" पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में श्री मयंक खेड़े, छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी (सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में) उपस्थित हुए। श्री मयंक खेड़े ने भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपने एक दशक के कार्य अनुभव को साझा किया, जिसमें राज्य स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का समर्थन करना, खुदरा श्रृंखला फार्मेसी संचालन का प्रबंधन करना, फार्मासिस्टों की क्षमता निर्माण और तकनीकी प्रशिक्षण, और एफएमसीजी उत्पाद की बिक्री और विपणन शामिल है। विश्वविद्यालय में उन्होंने फार्मेसी के पेशे, फार्मेसी अभ्यास और शिक्षाविदों, फार्मासिस्ट, अनुसंधान, सरकारी नौकरियों, नियामक मामलों, फार्मा उद्योग आदि में कैरियर के अवसरों के बारे में बताया।

व्याख्यान सत्र में अतिथि व्याख्याता और छात्रों के बीच मजेदार गेम प्रारूप के रूप में प्रश्नोत्तरी भी हुई , इसके साथ ही श्री खेड़े ने फार्मास्युटिकल अध्ययन में प्रमुख चुनौतियों और अवसरों और वाहकों में उनके दायरे के बारे में भी विस्तार से बताया। व्याख्यान के अंत में फार्मेसी के प्राचार्य श्री वी.के. सिंह ने अतिथि व्याख्याता की सुविधा प्रदान की और कहा कि हम बार-बार छात्रों के लिए उनके विशेष क्षेत्र में उनके ज्ञान का विस्तार करने के लिए सभी लाभकारी व्याख्यान प्राप्त करते हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति एस के.सिंह, कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की और श्री मयंक खेड़े का विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग के एचओडी डॉ. ऋषि जयसवाल एवं सहायक प्राध्यापक श्री सागर कुमार साहू का पेटेंट हुआ प्रकाशित

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में भौतिक शास्त्र विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. ऋषि जयसवाल एवं सहायक प्राध्यापक श्री सागर कुमार साहू का स्वस्थ खेती के लिए स्मार्ट सौर ऊर्जा संचालित पोर्टेबल, स्वचालित और जलवायु-नियंत्रित हाइड्रोपोनिक प्रणाली विषय पर आईपीआर नंबर 202321028886 में पेटेंट प्रकाशित किया गया है। यह पेटेंट ऑफिस ऑफ़ द कंट्रोलर जनरल ऑफ पेटेंट डिजाइन एंड ट्रेडमार्क डिपार्टमेंट ऑफ़ इंडस्ट्रियल पॉलिसी एंड प्रमोशन मिनिस्ट्री ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया के द्वारा प्रकाशित किया गया है।

पेटेंट का उद्देश्य, आविष्कार कृषि प्रौद्योगिकी और स्मार्ट खेती के क्षेत्र से संबंधित है, विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए पोर्टेबल हाइड्रोपोनिक खेती प्रणाली से। सिस्टम को सौर पैनलों के साथ लगाया गया है, जो पौधों के विकास के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार सिस्टम के घटकों को शक्ति प्रदान करता है, जिसमें प्रकाश व्यवस्था भी शामिल है, जो पौधों के विकास को उत्तेजित करती है।

इस प्रणाली के माध्यम से किसान बहुत कम स्थान में ज्यादा पौधे को उगा सकते हैं, यह प्रणाली मौसम आधारित है बारिश के मौसम में सिंचाई रोक देता है और गर्मी के मौसम में सिंचाई करता है। इसके साथ ही इसमें सिस्टम में प्रकाश व्यवस्था के पास पंखे-आधारित सक्शन असेंबली का उपयोग करके पौधे के पास कीड़ों को मारने की एक व्यवस्था है। यह निरंतर निगरानी करती है, यदि आपूर्ति किया गया पानी दूषित है तो अलर्ट जारी करती है।

विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने एचओडी डॉ. ऋषि जयसवाल एवं सहायक प्रोफेसर श्री सागर कुमार साहू को उनके पेटेंट प्रकाशित होने पर बधाई दी और उनके उज्जल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

विश्वविद्यालय विधि विभाग के छात्रों का 15 दिवसीय जिला एवं सत्र न्यायालय का प्रारंभ हुआ दौरा

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विधि विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा रायपुर जिला एवं सत्र न्यायालय का 15 दिवसीय न्यायालय दौरा व 4 दिवसीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशिक्षण दौरा में कार्यक्रम के प्रथम दिन विश्वविद्यालय के एल एल.बी पांचवे सेमेस्टर के छात्रों ने रायपुर जिला एवं सत्र न्यायालय का भ्रमण करके वहा चल रही कार्यवाहियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की। इसमें विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक रेवती रमण चन्द्रा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर अधिवक्ता श्री आशुतोष तिवारी ने छात्रों को न्यायालय के समस्त विभाग, कार्यालयों का अवलोकन कराया व विधि में असीमित संभावनाएं कि जानकारी दी। आशुतोष जी ने छात्रों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकलापों की भी जानकारी दी। इस भ्रमण में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ न्यायाधीश/सचिव माननीय श्री प्रवीण मिश्रा व अधिवक्ता श्री आशुतोष तिवारी (पैरा लीगल वॉलंटियर) के मार्गदर्शन में छात्रों ने न्यायालय में चल रही दीवानी व आपराधिक मामलो की करवाई को देखा एवं समझा, साथ ही छात्रों को परिसर में मौजूद विभिन्न न्यायालयों का भ्रमण कर न्यायालय में चल रहे प्रकरण, गतिविधियों एवं न्यायिक प्रक्रिया का अवगत कराया।

इस भ्रमण के दौरान छात्रों ने कोर्ट पंजीयन शाखा,मालखाना, प्रशासनिक कार्यालय, नाजिर शाखा जैसे समस्त विभागों के कार्यकलापों के बारे में समझा। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ न्यायाधीश/सचिव माननीय श्री प्रवीण मिश्रा जी ने छात्रों को मेहनत कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस न्यायालय दौरे में विधि विभाग एल एल.बी के पांचवे सेमेस्टर के अध्ययनरत छात्र योगेश शर्मा, फामेश साहू, गुरुप्रसाद तिवारी, अमरदास कोसरिया, प्रशांत कुमार दास, सुनील गोस्वामी, रमेश कुमार देवांगन, अमित कुमार निषाद ने भाग लिया।

विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंतराम प्रधान ने जिला एवं सत्र न्यायालय रायपुर प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए छात्रों का मार्गदर्शन करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। छात्रों ने रायपुर जिला एवं सत्र न्यायालय के भ्रमण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक व अनुशासन में रह कर भाग लिया तथा न्यायिक कार्यों को देख सुन समझ कर ज्ञान अर्जित किया।

विश्वविद्यालय के समाज कार्य पाठ्यक्रम के छात्र- छात्राओं द्वारा ट्रान्सजेण्डर से सम्बन्धित फील्ड वर्क

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय समाज कार्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ .नरेश गौतम एवं मनीषा बोस के मार्गदर्शन मे समाज कार्य पाठ्यक्रम के छात्र- छात्राओं द्वारा दिनांक-17 अक्तूबर, 2023 को ट्रान्सजेण्डर से जुड़े तमाम मुद्दों एवं सामाजिक चुनौतियों को समझने के लिए फील्ड वर्क के माध्यम से गरिमा गृह, सरोना, रायपुर का भ्रमण किया। समाज कार्य के प्रथम छमाही के छात्रों के लिए यह पहला मौका था जब उन्होंने ट्रान्सजेण्डर समुदाय को इतनी करीब से देखने, जानने की कोशिश की। स्वास्थ्यगत एवं सामाजिक कौन-कौन सी समस्याओं से उनका सामना होता है और समाज उन्हें क्यों स्वीकार नहीं कर पाता इन्हीं प्रश्नों के हल खोजने और उन्हें नजदीक से समझने का प्रयास किया। गरिमा गृह में वर्तमान समय में 20 से अधिक ट्रान्सजेण्डर बच्चे एवं वयस्क रहते हैं। यह गरिमा गृह सामूहिक सहायता के माध्यम से चलता है। संकल्प मितवा समिति इसे संचालित करती। विद्याराजपूत ने संचालन की बहुत सी समस्याओं से छात्रों को अवगत कराया। जिसमें खाने-पीने और बिजली के बिल आदि कि तमाम समस्याओं से उन्हें रोज जूझना पड़ता है। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं एवं अन्य स्वास्थ्यगत समस्याओं उन्हें रोज लड़ना पड़ता है। आगे उन्होंने छात्रों को बताया कि वहाँ रहने वाले बच्चों की सुरक्षा की जीमेदारी भी बहुत चुनौती पूर्ण है।

गरिमा गृह की ट्रान्सजेण्डर विद्याराजपूत और रवीना बरिहा ने छात्रों से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ट्रान्सजेण्डर समुदाय द्वारा पिछले कई वर्षों के संघर्षों बाद अपने मुद्दों को सामाजिक विमर्श हिस्सा बना पाने में कुछ हद तक कामयाबी हासिल कर पाया है। लेकिन जिस स्तर पर विमर्श होने चाहिए थे वो आज भी नगण्य है। सामाजिक एवं संवैधानिक स्तर पर आज भी वह अपनी पहचान को लेकर अपनी लड़ाई लड़ते आ रहे हैं। यह संघर्ष सिर्फ सामाजिक लड़ाई का हिस्सा मात्र नहीं है बल्कि वह आंतरिक लड़ाई भी साथ-साथ लड़ते आ रहे हैं। हर स्तर पर लगातार चुनौतियों का सामना उन्हें रोज कहीं न कहीं करना पड़ता है। अपने जेण्डर की पहचान को लेकर जो बदलाव हो या पारिवारिक मान्यता के लिए संघर्ष करना उनके लिए आम बात है। जो उन्हें बहुत हद तक मानसिक स्वास्थ्यगत तौर पर बहुत कमजोर बना देती है। हम आज तकनीक और विज्ञान के मामले में दुनिया को टक्कर दे रहे हैं। लेकिन सामाजिक ढांचे में कोई ठोस बदलाव दिखाई नहीं देता। हाँ इतना जरूर है कि यह ऊपरी तौर पर ढाँचा जरूर थोड़ा बहुत बदला है। लेकिन जिस स्तर पर बदलाव होने चाहिए थे। वो तमाम मुद्दे आज भी विमर्श के केंद्र से बाहर हैं। ट्रान्सजेण्डर समुदाय को संवैधानिक तौर पर मान्यता तो हासिल हो गई लेकिन सामाजिक तौर पर आज भी वह अपनी लड़ाई रोज लड़ रहे हैं।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अभिषेक कुमार मिश्रा डीडी छत्तीसगढ़ के प्रोग्राम "हम आप और कानून" में हुए शामिल

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में लॉ डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक कुमार मिश्रा डीडी छत्तीसगढ़ न्यूज़ के प्रोग्राम "हम आप और कानून" में 21 अक्टूबर 2023 को शाम 5:30 से लेकर 6:00 तक लाइव प्रसारण में शामिल हुए। जिसमें अभिषेक कुमार मिश्रा की विधि विशेषज्ञ की भूमिका रहीं। अभिषेक कुमार मिश्रा ने डीडी छत्तीसगढ़ न्यूज़ के प्रोग्राम "हम आप और कानून" विधि विशेषज्ञ के रूप में "प्ली बार्गेनिंग एवं उसके लाभ" विषय पर जानकारी साझा की जिसमें उन्होंने बताया की अभियुक्त कम सजा के बदले में अपने द्वारा अन्तर्गत अभियुक्त किए गए अपराध को स्वीकार करके और पीड़ित व्यक्ति को हुए नुकसान और मुकदमे के दौरान हुए खर्चे की क्षतिपूर्ति करके कठोर सजा से बच सकता हैं। विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक कुमार मिश्रा ने इस प्रोग्राम के माध्यम से विधि के विद्यार्थियों एवं कानून में रूचि रखने वाले सभी लोगों को जानकारी साझा की साथ ही एक अच्छा मार्गदर्शन भी दिया। उनके इस कार्य के लिए विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विधार्थियों को अरहम टेक्नोलॉजी रायपुर का कराया गया भ्रमण

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के बीबीए,बीकॉम,एमबीए,बीबीए एवं एमबीए के विधार्थियों को 25 अक्टूबर को अरहम टेक्नोलॉजी रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया जिसमें विधार्थियों को एलईडी टीवी निर्माण के बारे बताया गया। विद्यार्थियों को अनुभवी और अरहम टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर अनेकांत जैन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, साथ ही कंपनी की परियोजना समन्वयक सुश्री प्रतिभा, प्रक्रिया समन्वयक सुश्री दीक्षा कंसल और सभी प्रशासनिक स्टाफ ने महत्तवपूर्ण जानकारी दी। सभी विद्यार्थी नए वातावरण और नए अनुभव से काफी उत्साहित हुए एवं सभी जगह से जुड़ें पहलुओं को बारीकी से सीखने और समझने का प्रयास किया। उल्लेखनीय है की अरहम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड "25 से अधिक वर्षों से, इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में हैं एवं एक स्थिर वितरक नेटवर्क है। अरहम टेक्नोलॉजीज ने एलईडी टेलीविजन उद्योग में तेजी से प्रगति की है। अरहम टेक्नोलॉजीज व्यवसाय प्रौद्योगिकी, आधुनिकीकरण, गुणवत्ता के उत्कृष्ट

मिश्रण है जिससे विद्यार्थियों को व्यवसाय प्रौद्योगिकी, आधुनिकीकरण, गुणवत्ता के उत्कृष्ट मिश्रण का काफी ज्ञान प्राप्त हुआ

यह शैक्षणिक भ्रमण वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के सहा. प्रोफेसर डॉ सिन्दूरा भार्गव एवं सहायक प्रोफेसर सुश्री स्तुति सिंह के निर्देशन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह एवं कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने उपस्थित सभी विद्यार्थीयों को प्रोत्साहित किया और शुभकामनाएँ दी।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों संग शिक्षक भी थिरके, चौकड़ी, छकड़ी, और घोड़ा रास में

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में हर वर्ष गरबा का आयोजन किया जाता हैं और इस बार काफी धूमधाम से गरबा का आयोजन किया गया। जहां छात्रों ने पारंपरिक परिधानो में गरबा नृत्य में चार- चांद लगाया। इस वर्ष काफी उत्साह देखा गया, क्योंकि इस वर्ष विश्वविद्यालय में आयोजित गरबा में स्टूडेंट्स और सभी शैक्षणिक-अशैक्षणिक स्टाफ ने भी भाग लिया एवं सभी विभाग के सदस्य और कार्यालय कर्मचारीगण पारंपरिक परिधानों में चौकड़ी, छकड़ी और घोड़ा रास का आनन्द लिया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग द्वारा आईटी रुझान पर सेमिनार: भविष्य की एक झलक

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 27 अक्टूबर, 2023 को विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग द्वारा उद्योग के भविष्य को आकार देने वाले नवीनतम आईटी रुझान पर सेमिनार: भविष्य की एक झलक पर सेमिनार आयोजित किया गया है। सेमिनार में रायपुर स्थित एक प्रसिद्ध सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनी, यशम डेवलपमेंट सेंटर में प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में एक दशक से अधिक के अनुभव वाले उद्योग के दिग्गज श्री रोचक की उपस्थित हुए। श्री रोचक ने सूचना प्रौद्योगिकी के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य पर एक मनोरम प्रवचन में दर्शकों को शामिल किया। उन्होंने नवीनतम रुझानों, नवाचारों और उद्योग को नया आकार देने वाले व्यवधानों पर गहनता से चर्चा की और भविष्य की एक दुर्लभ झलक पेश की। उनकी प्रस्तुति में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिनमें ये शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर संक्षिप्त जानकारी साझा की, जिसमें एआई कैसे व्यवसायों और उद्योगों में क्रांति ला रहा है, इसकी अंतर्दृष्टि,साइबर सुरक्षा: डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा में नवीनतम रुझान और चुनौतियाँ,बिग डेटा और एनालिटिक्स: डेटा कैसे निर्णय लेने और अंतर्दृष्टि को प्रेरित कर रहा है, क्लाउड कंप्यूटिंग: स्केलेबिलिटी और लचीलेपन में क्लाउड तकनीक की भूमिका,इंटरनेट ऑफ थिंग्स: स्मार्ट उपकरणों के माध्यम से दुनिया को जोड़ने बारे में बताया। सेमिनार ने न केवल इन रुझानों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की, बल्कि छात्रों, शिक्षकों और उद्योग के प्रति उत्साही लोगों को श्री रोचक जैसे अनुभवी पेशेवर के

साथ बातचीत करने का अवसर भी प्रदान किया। विश्वविद्यालय का प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग छात्रों को सूचना प्रौद्योगिकी की लगातार विकसित हो रही दुनिया के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। आईटी रुझानों पर सेमिनार कई पहलों में से एक थी जिसका उद्देश्य शिक्षा और उद्योग के बीच अंतर को कम करना था, यह सुनिश्चित करना कि हमारे छात्र अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग द्वारा श्री रोचक के बहुमूल्य समय और विशेषज्ञता के लिए अपना आभार व्यक्त किया, जिससे यह सेमिनार उपस्थित सभी लोगों के लिए वास्तव में ज्ञानवर्धक अनुभव बन गया।
विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने भी ली शपथ एवं रन फॉर यूनिटी में हुए शामिल

31 अक्टूबर मंगलवार को भारतीय एकता के प्रतीक,महान स्वतंत्रता सेनानी, देश के पहले उप-प्रधानमंत्री और पहले गृहमंत्री 'सरदार वल्लभ भाई पटेल' की जयंती के अवसर पर श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में "सरदार वल्लभभाई पटेल" जयंती पर 'एकता दिवस' के रूप में मनाया गया। जिसमें सुबह पहले विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर से धनेली गाँव तक दौड़ लगाई, जिसमें विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्रों के साथ-साथ धनेली गाँव के बच्चे भी शामिल हुए। इसके बाद विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्रों ने,"मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करुंगा और अपने

देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करुंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ" इन वचनों के साथ शपथ ली।श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम, कुलपति प्रो एस. के. सिंह, कुलसचिव सौरभ कुमार शर्मा ने सफल "सरदार वल्लभभाई पटेल" की जयंती पर "राष्ट्रीय एकता दिवस" के लिए सभी शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ और छात्रों को शुभकामनाएं दी...

SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

Scan For Admission

7222910411

NH-30, Post Mana, New Dhamtari Road, Raipur (C.G.) India

www.sruraipur.ac.in / sruraipurindia /shrirawatpurasarkar

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव

प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

संपादक
हिना परवीन

छायाचित्र
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिज़ाइन
दिनेश कुमार सिन्हा